सितंबर, २०२४ । प्रवेशांक

ई - पत्रिका (मासिक)

वर्धा डायरी

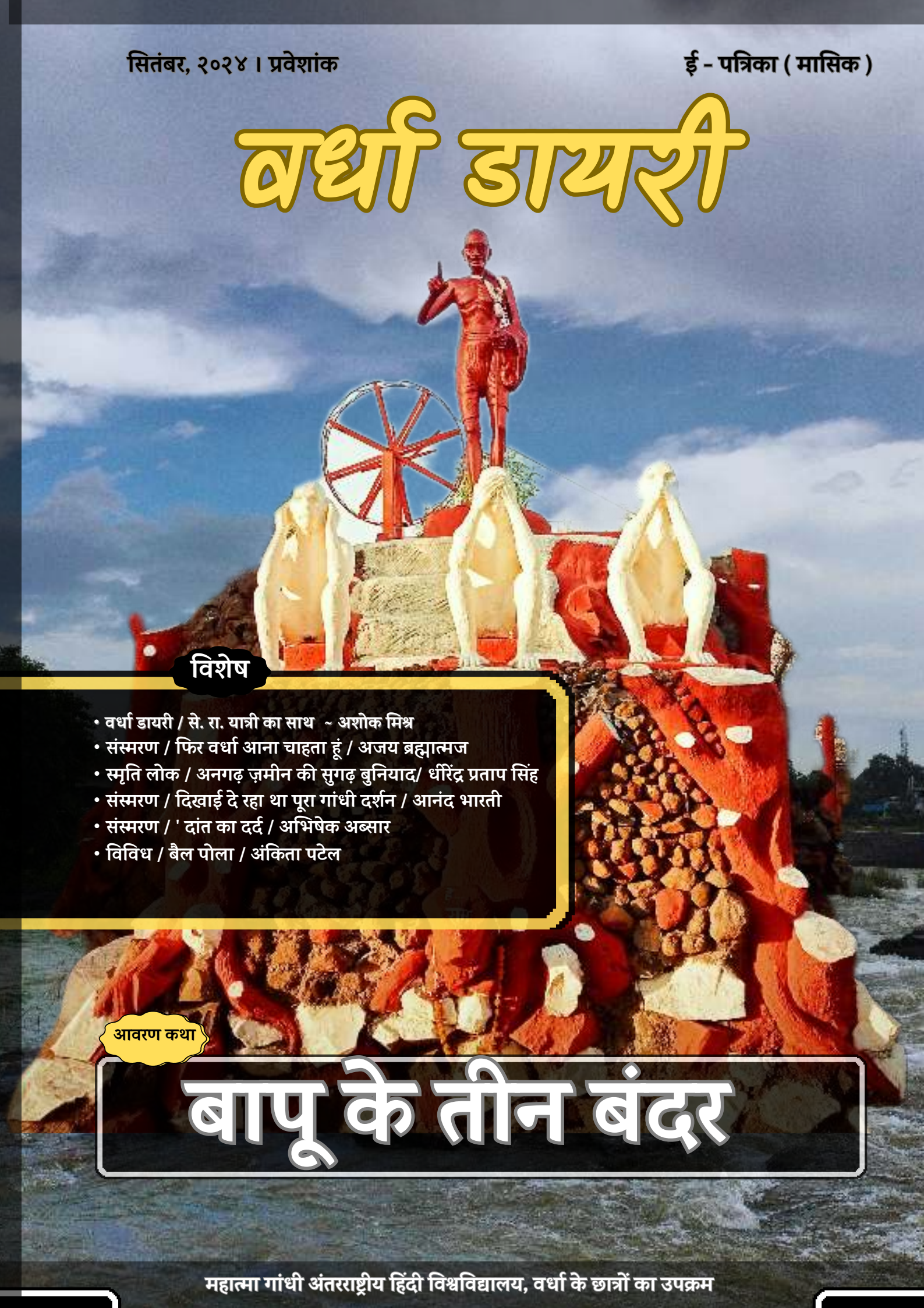

विशेष

- वर्धा डायरी / से. रा. यात्री का साथ ~ अशोक मिश्र
- संस्मरण / फिर वर्धा आना चाहता हूं / अजय ब्रह्मात्मज
- स्मृति लोक / अनगढ़ ज़मीन की सुगढ़ बुनियाद/ धीरेंद्र प्रताप सिंह
- संस्मरण / दिखाई दे रहा था पूरा गांधी दर्शन / आनंद भारती
- संस्मरण / ' दांत का दर्द / अभिषेक अब्सार
- विविध / बैल पोला / अंकिता पटेल

आवरण कथा

बापू के तीन बंदर

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के छात्रों का उपक्रम

बापू और विनोबा के चरणों में समर्पित...

तुम एक सृजन हो। तुममें एक सृजन है।
सभी सुखों से बढ़कर है, सृजन का सुख।

जो रचेगा, वही बचेगा...

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के छात्रों का उपक्रम

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय
हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(पूर्ण रूप से छात्रों द्वारा प्रकाशित की जा रही पत्रिका)

वर्धा डायरी

दो शब्द

'वर्धा डायरी' ई पत्रिका महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के छात्रों द्वारा प्रकाशित की जा रही पत्रिका है। यह पत्रिका पूर्ण रूप से एक खुला मंच है जहां आप अपने रचनात्मक विचारों को पाठकों के साथ साझा कर सकते हैं। इस पत्रिका को शुरू करने का उद्देश्य यही है कि हिंदी विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत छात्रों के भीतर छिपी रचनाधर्मिता को जागृत कर,उन्हें सबके सामने प्रस्तुत किया जाए। हिंदी विश्वविद्यालय अपने जिन उद्देश्यों को लेकर स्थापित किया गया था, उसको पूरा करने में हमारा एक छोटा सा योगदान है। हम चाहते हैं कि आप अपनी रचनाओं से एक सकारात्मक वातावरण स्थापित करने में हमारी मदद करें। हमारा आपसे एकमात्र निवेदन है कि आप अपनी जो भी रचनाओं को भेजें वो आपकी मूल हों । इस पत्रिका को हम सिर्फ़ विश्वविद्यालय परिसर तक सीमित न करके, पूरे वर्धा शहर के लिए खोल रहे हैं। ऐसे में बापू की धरती वर्धा व उसकी विशेषताओं से भी अवगत कराना हमारा उद्देश्य है।

प्रकाशक व प्रधान संपादक
विवेक रंजन सिंह

संपादकीय संपर्क
संपादक - वर्धा डायरी
चंद्रशेखर आजाद छात्रावास, कक्ष संख्या - २३
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स,
वर्धा ४४२००१ (महाराष्ट्र)
ईमेल - wardhadiary@gmail.com
vivekranjan749@gmail.com

कलात्मक सहयोग - राखी
आवरण चित्र - अभय दुबे, विवेक रंजन सिंह

© प्रकाशकाधीन

• संपादन एवं प्रबंध पूर्णतया अवैतनिक एवं अव्यवसायिक

प्रारंभ वर्ष - सितंबर , २०२४
मुद्रक - स्व - मुद्रित ई पत्रिका

(प्रकाशन हेतु भेजी जाने वाली सामग्री अथवा रचनाओं के प्रकाशन हेतु संपादक का निर्णय ही मान्य होगा। प्रकाशित रचनाओं की रीति - नीति या विचारों से संपादकों की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में प्रकाशक की पूर्ण जिम्मेदारी होगी।)

संपादक मंडल

नीरज छिलवार
संपादक

गोविंद राय
उप - संपादक

शिवानी सिंह
प्रबंध - संपादक

आशीष रंजन चौधरी
सह - संपादक

राखी
तकनीकी मार्गदर्शक

अभय दुबे
छायाकार

गोरक्ष पोफली
विशेषांक - संपादक

इस अंक के सहयोगी -
आलोक चतुर्वेदी , शुभम कैलास तांबे , दिव्यांशु झा , विशाल सिहाग , आदित्य स्वराज ।

(पत्रिका पूर्ण रूप से अभी ई पत्रिका है और इसके प्रिंट करने या उसके वितरण की इजाज़त अभी नहीं है। किसी विशेष स्थिति में प्रकाशक के अनुमति से ही इसके प्रिंट निकलवाए जा सकते हैं। यदि बिना प्रकाशक की अनुमति से कोई इसके प्रिंट को निकलवाता है और उसका वितरण करता है तो कानूनी कार्यवाई हेतु वह स्वयं ज़िम्मेदार होगा। प्रेस व रजिस्ट्रेशन अधिनियम के अनुसार जब इसका आईएसएसएन अंक प्राप्त हो जायेगा, तभी इसे प्रिंट माध्यम में वितरण किया जा सकता है।
किसी भी आपत्ति या विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र वर्धा (महाराष्ट्र) होगा।

इस अंक में...

शुभ संदेश / श्री विभूति नारायण राय, श्री गिरीश्वर मिश्र, अशोक मिश्र, संतोष भदौरिया ममता कालिया। (०५ - ०९)

प्रधान संपादक की कलम से (१०)

अद्यतन १३

संस्मरण / दिखाई दे रहा था पूरा गांधी दर्शन / आनंद भारती १४

संस्मरण / फिर वर्धा आना चाहता हूं / अजय ब्रह्मात्मज १५

आवरण कथा / बापू के तीन बंदर / विवेक रंजन सिंह १७

स्मृति लोक / विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्रों की शुरुआत का पहला दिन / चित्रा माली १९

सुहाने दिन / पंचटीले की पंचकथा / नीरज छिलवार २०

यादें / अशोक वैरागी २३

स्मृति लोक / बिरसा मुंडा छात्रावास / रत्नसेन भारती २४

विचार / हिंदी विश्वविद्यालय की हर बात है निराली / नीलाक्ष मिश्र २५

कविता / प्राची की चंचल किरणें / ओंकार नरेश बुढ़े २५

यादें / अनुभवों की धरती वर्धा / कुमार मौसम २६

कविता / प्राची देवी और पूजा भारद्वाज २७

कैंपस डायरी / वर्धा विश्वविद्यालय : शिक्षा और जीवन का संगम / कुलदीप समदर्शी २८

कविता / शुभश्री जेना २९

अविनाश भारती की ग़ज़लें ३०

जैसा मैंने देखा / वर्धा के मौसम की दो दुनिया / गुलाब चारण ३१

कविता / सौभाग्य मेरा मैं वर्धा आया / यशवर्धन ३१

वर्धा डायरी / से. रा. यात्री का साथ / अशोक मिश्र ३२

मन के तराने / सपनों का मेला / गोविंद कुमार ३७

आशिया ' अल्वी ' की कविताएं ३८

यादें / हिंदी विश्वविद्यालय में एक अभिभावक के अनुभव / अर्जुन शर्मा ३९

ललित निबंध / बबूल के फूल / नवनीत कुमार सिंह ४०

सुहाने दिन / गांधी हिल्स की यादें / अंकिता पटेल ४१

भूली बिसरी यादें / प्रिंस सिंह ४४

कैंपस डायरी / शांति और आत्मचिंतन का केंद्र वर्धा विश्वविद्यालय / आदित्य स्वराज ४५

संस्मरण / दांत का दर्द / अभिषेक अब्सार ४६

कविता / पापा एक बात पूछूं / सादगी परमार ४७

स्मृति लोक / वर्धा का पहला दिन / डॉ. मनीष कुमार ४७

संस्मरण / वर्धा प्रवास के दो दिन / मनोहर काजल ४८

विचार गोरक्ष पोफली, दिव्यांशु झा ४९

स्मृति लोक / अनगढ़ ज़मीन की सुगढ़ बुनियाद / डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह ५०

विचार / शिवानी सिंह , अभय दुबे ५२

कविता / आंचल यशवंत पाठसवे, दिव्या ५३

स्मृति लोक / सफ़र तजुर्बे का / प्रखर सक्सेना ५४
विचार / आशीष रंजन चौधरी ५५
व्यक्तित्व / बाबा आमटे की खुशियों का वन : आनंदवन / सुधीर कुमार ५६
जैसा मैंने देखा / नए गगन में नया सूर्य जो चमक रहा है / अमित कुमार प्रभाकर ५८
यादें / हिंदी के योगदान में वर्धा का मौसम मिजाज़ / तेज प्रताप टंडन ६०
कविता / तलाश / मुंशी ६१
विविध / बैल पोला : महाराष्ट्र का अनोखा त्यौहार / अंकिता पटेल ६२
स्मृतियां / वर्धा सिर्फ़ एक जगह नहीं, एहसास है / सृष्टि कुमारी ६३
कविताएं / पंकज जुगनू ६४
विविध / क्यों ज़रूरी है छात्र राजनीति / मनन्य सिंह निर्वाण ६६
प्रथमा / नाट्य एवं फिल्म कला से समृद्ध होता हिंदी विश्वविद्यालय / सुरभि विप्लव ६८

(इस पत्रिका का यह पहला अंक है और पूर्ण रूप से छात्रों के द्वारा प्रकाशित है,,
अतः त्रुटियों के लिए समस्त संपादक मंडल की ओर से क्षमा चाहेंगे।)

शुभ - संदेश

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय हिंदी समाज की रचनात्मकता का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहाँ के छात्र भाषा और साहित्य दोनों के क्षेत्र मे सक्रिय रहे हैँ यह खुशी की बात है कि विश्वविद्यालय परिसर से एक ई पत्रिका (वर्धा डायरी)की शुरुआत होने जा रही है। पत्रिका से जुड़े छात्रों को इसके लिये बधाई और मेरी शुभकामनायें।

श्री विभूति नारायण राय (पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा)

प्रकाश और अंधकार का युग्म एक सतत और अनिवार्य संघर्ष की याद दिलाता है । भाषा प्रकाश का ही एक रूप है जिससे दुनिया अर्थवान हो उठती है और उसे भी अंधकार का प्रतिरोध करना पड़ता है । पर भाषा की शक्ति प्रकाश से थोड़ा आगे बढ़ती है क्योंकि वह वर्तमान से आगे बढ़ कर भविष्य रचती रचाती चलती है । भाषा के गर्भ में पलती रचनाशीलता युग का निर्माण करती है । हमारी शुभकामना है कि " वर्धा डायरी " काल की संवेदना को थामे भाषा के सामर्थ्य की वाहिका बने । लोक तंत्र की प्राण नाड़ी है अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डायरी उसे जीवित करने का उद्यम कर रही है । स्वराज की भूमि वर्धा से आरंभ हो रही विचारों के स्वराज की यह यात्रा मंगलमय हो ।

श्री गिरीश्वर मिश्र (पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय् वर्धा के छात्रों द्वारा द्वारा शीघ्र प्रकाशित की जा रही ई पत्रिका वर्धा डायरी के लिए मेरी ओर से अनंत शुभकामनाएं। मैं उम्मीद करता हूं कि इस डायरी के प्रकाशन से छात्रों के बीच साहित्यिक रचनाओं और अध्ययन पठन-पाठन के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और इन्हीं के बीच से भविष्य के लेखक उभरकर सामने आएंगे। रचनात्मकता का एक पहलू यह भी है कि यह छात्रों को एक श्रेष्ठ और मानवीय संवेदना से युक्त विवेकशील नागरिक बनाएगी।मेरी ओर से समस्त संपादक मंडल को अनंत शुभकामनाएं।

श्री अशोक मिश्र कहानीकार व पूर्व संपादक बहुवचन पत्रिका (महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा)